डॉ गुरुदत्त मिश्रा
मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल - 462011

अणुडाक: gdm.met@gmail.com
सम्पर्क: 9425080082

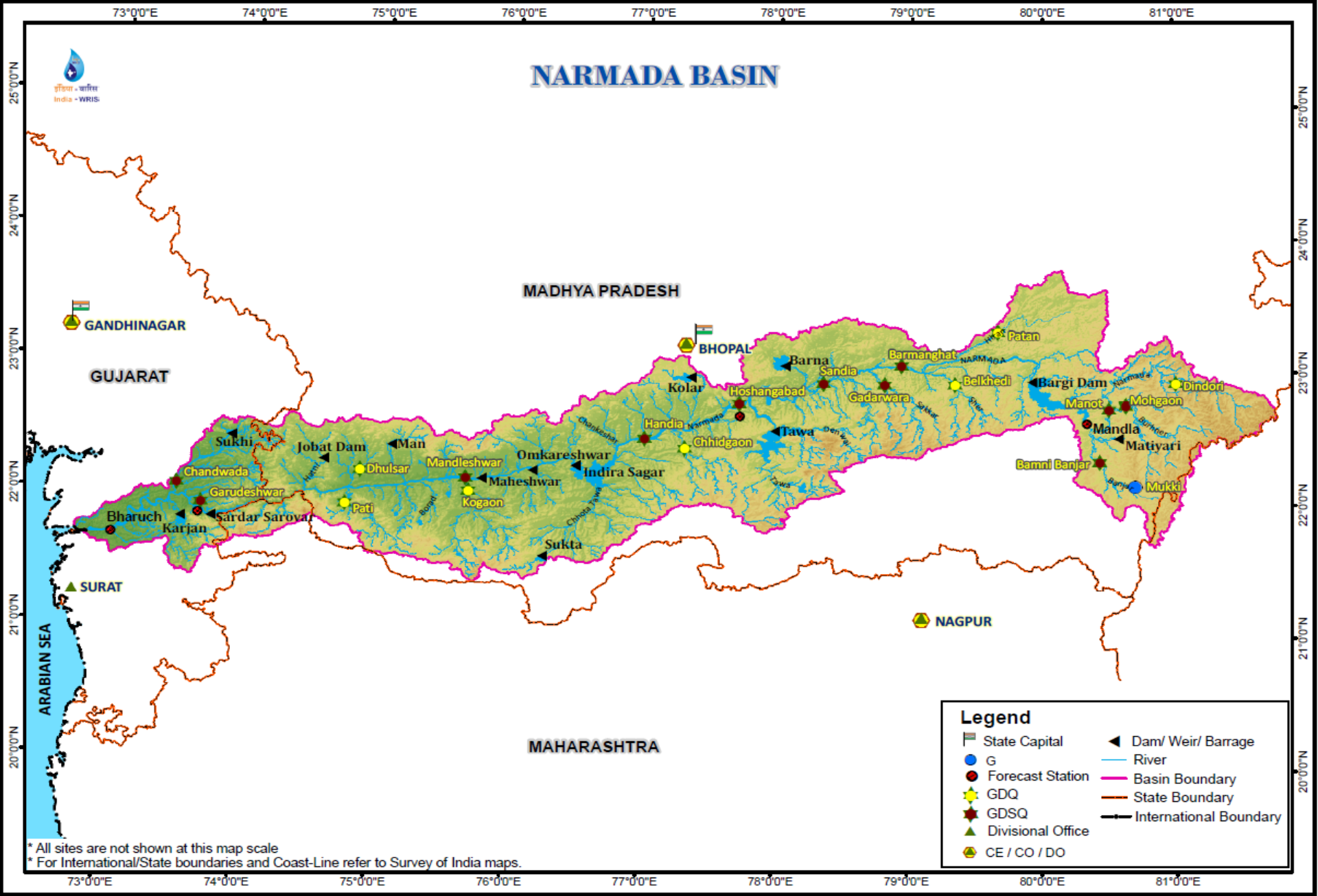
NARMADA BASIN
MADHYA PRADESH
GUJARAT
MAHARASHTRA
GANDHINAGAR
BHOPAL
NAGPUR
SURAT
ARABIAN SEA
Barna
Sandia
Barmanghat
Patan
Belkhedi
Bargi Dam
Dindori
Manot
Mohgaon
Mandla
Matiyari
Bamni Banjar
Mukki
Kolar
Hoshangabad
Gadarwara
Handia
Chhidgaon
Tawa
Omkareshwar
Indira Sagar
Mandleshwar
Maheshwar
Kogaon
Sukta
Pati
Dhulsar
Man
Jobat Dam
Sukhi
Chandwada
Garudeshwar
Sardar Sarovar
Bharuch
Karjan
Legend
State Capital
G
Forecast Station
GDQ
GDSQ
Divisional Office
CE / CO / DO
Dam/ Weir/ Barrage
River
Basin Boundary
State Boundary
International Boundary
* All sites are not shown at this map scale
* For International/State boundaries and Coast-Line refer to Survey of India maps.
73°0'0"E
74°0'0"E
75°0'0"E
76°0'0"E
77°0'0"E
78°0'0"E
79°0'0"E
80°0'0"E
81°0'0"E
25°0'0"N
24°0'0"N
23°0'0"N
22°0'0"N
21°0'0"N
20°0'0"N

परिचय :

- कहते हैं तपस्या में बैठे भगवान शिव के पसीने से नर्मदा प्रकट हुई।
- नर्म का अर्थ है- सुख और दा का अर्थ है- देने वाली।
- एक नाम रेवा भी है, लेकिन नर्मदा ही सर्वमान्य है।
- स्कंद पुराण में वर्णित है कि राजा-हिरण्यतेजा ने चौदह हजार दिव्य वर्षों की घोर तपस्या से शिव भगवान को प्रसन्न कर नर्मदा जी को पृथ्वी तल पर आने के लिए वर मांगा।
- नर्मदा भारत की एक मात्र ऐसी जीवित नदी है जिसकी परिक्रमा की जाती है।

- नर्मदा भारत के मध्यभाग में पूरब से पश्चिम की ओर बहने वाली मध्य प्रदेश और गुजरात राज्य में बहने वाली एक प्रमुख नदी है, जो गंगा के समान पूजनीय है।

- महाकाल पर्वत के अमरकण्टक शिखर से नर्मदा नदी की उत्पत्ति हुई है।

- इसके उद्भव से लेकर संगम तक दस करोड़ तीर्थ हैं।

- अमरकंटक की पहाड़ियों से निकल कर छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर नर्मदा क़रीब 1310 किमी का प्रवाह पथ तय कर भरौंच के आगे खंभात की खाड़ी में विलीन हो जाती है ।

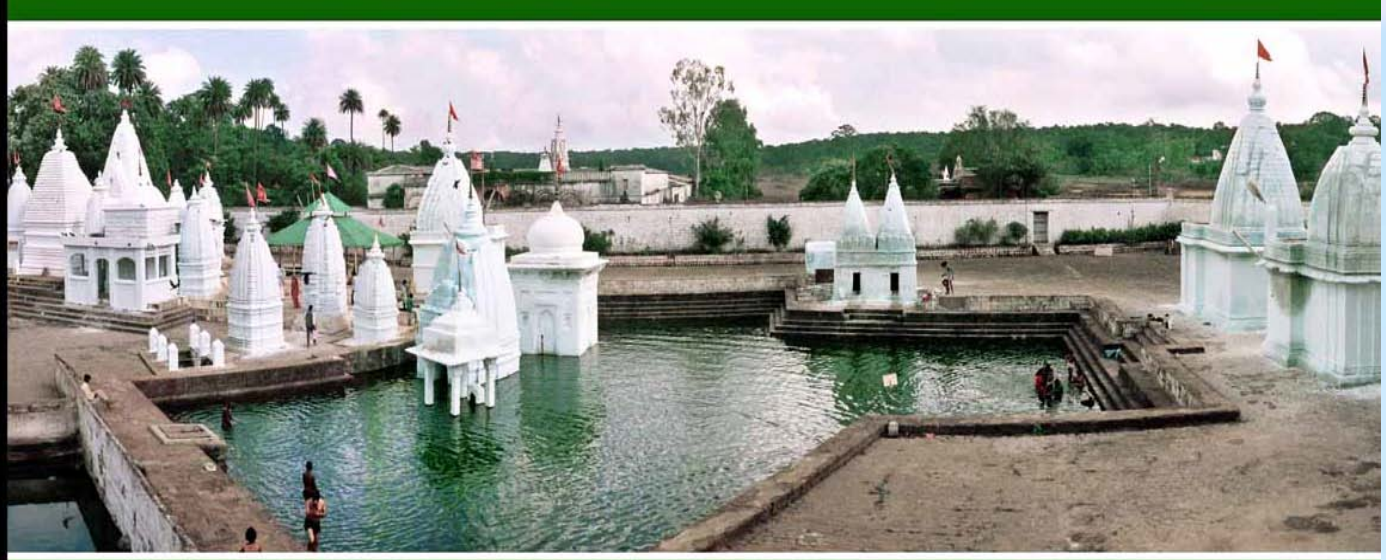

नर्मदा माता मंदिर परिसर एवं नर्मदा उद्गम स्थल – " अमरकंटक "

म.प्र. का " नियाग्रा " धुआँधार (जबलपुर)

भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

नर्मदा की महत्ता :

- नदी के किनारे अमरकंटक, नेमावर, गुरुकृपा आश्रम झीकोली, शुक्लतीर्थ आदि प्रसिद्ध तीर्थस्थान हैं जहाँ काफी दूर-दूर से यात्री आते रहते हैं।

- नर्मदा नदी को ही उत्तरी और दक्षिणी भारत की सीमारेखा माना जाता है।

- यह विंध्याचल और सतपुड़ा के बीचोबीच पश्चिम दिशा की ओर प्रवाहित होती है तथा मंडला और जबलपुर, होशंगाबाद से होकर गुजरती है।

- झिकोली ग्राम में गुरुकृपा आश्रम नर्मदाजी के दक्षिण तट पर वह स्थान हैं जहां परमहंस श्री धूनी वाले दादा जी गौरीशंकर जी महाराज की जमात के साथ रुका करते थे।

- ओमकारेश्वर एवं महेश्वर नामक नगर इसके किनारे बसे है।

- इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ बंजार, शेर और शक्कर, तवा, गंजाल और छोटा तवा आदि हैं, जो क्रमश: मंडला, नरसिंहपुर एवं होशंगाबाद जिले में इससे मिलती हैं।

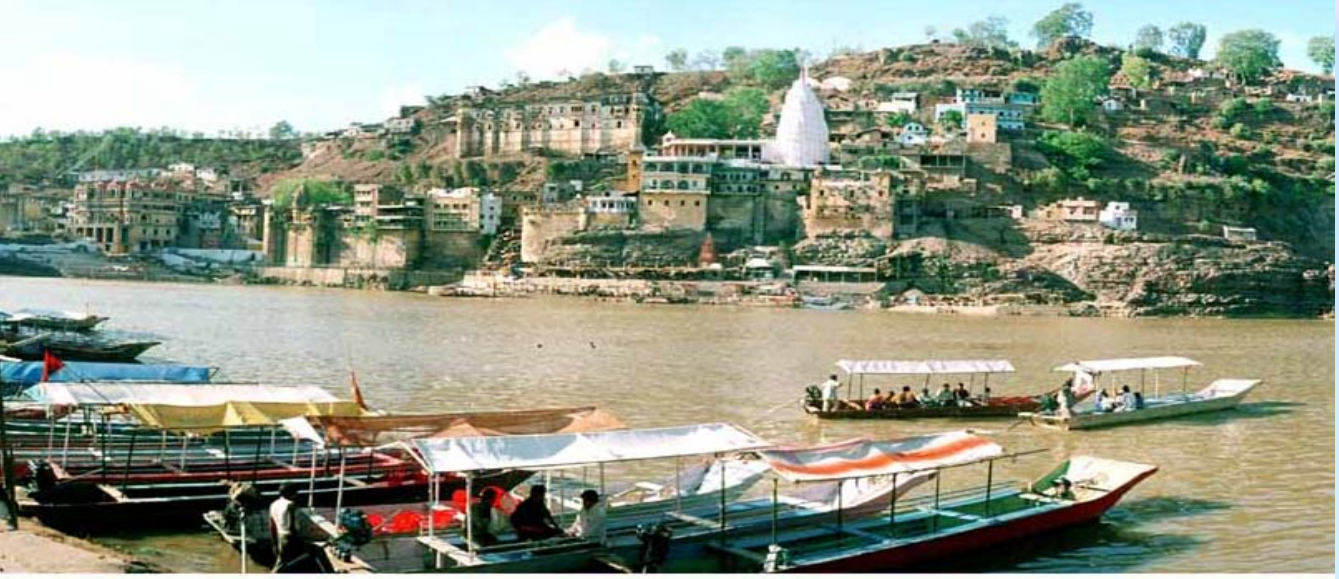

ज्योर्तिलिंग ओंकारेश्वर

देवी अहिल्या की राजधानी, महेश्वर

भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

हिन्दू धर्म में महत्व:

- विश्व में हर शिव-मंदिर में इसी दिव्य नदी के नर्मदेश्वर शिवलिंग विराजमान है।
- सभी देवता, ऋषि मुनि, गणेश, कार्तिकेय, राम, लक्ष्मण, हनुमान आदि ने नर्मदा तट पर ही तपस्या करके सिद्धियाँ प्राप्त की।
- दिव्य नदी नर्मदा के दक्षिण तट पर सूर्य द्वारा तपस्या करके आदित्येश्वर तीर्थ स्थापित है।

नर्मदा बेसिन में परियोजनाएं:

- बरगी परियोजना
- तवा परियोजना
- इंदिरा सागर परियोजना
- ओमकारेश्वर परियोजना
- महेश्वर परियोजना
- सरदार सरोवर परियोजना

Hydro Electric Projects in Narmada River Basin

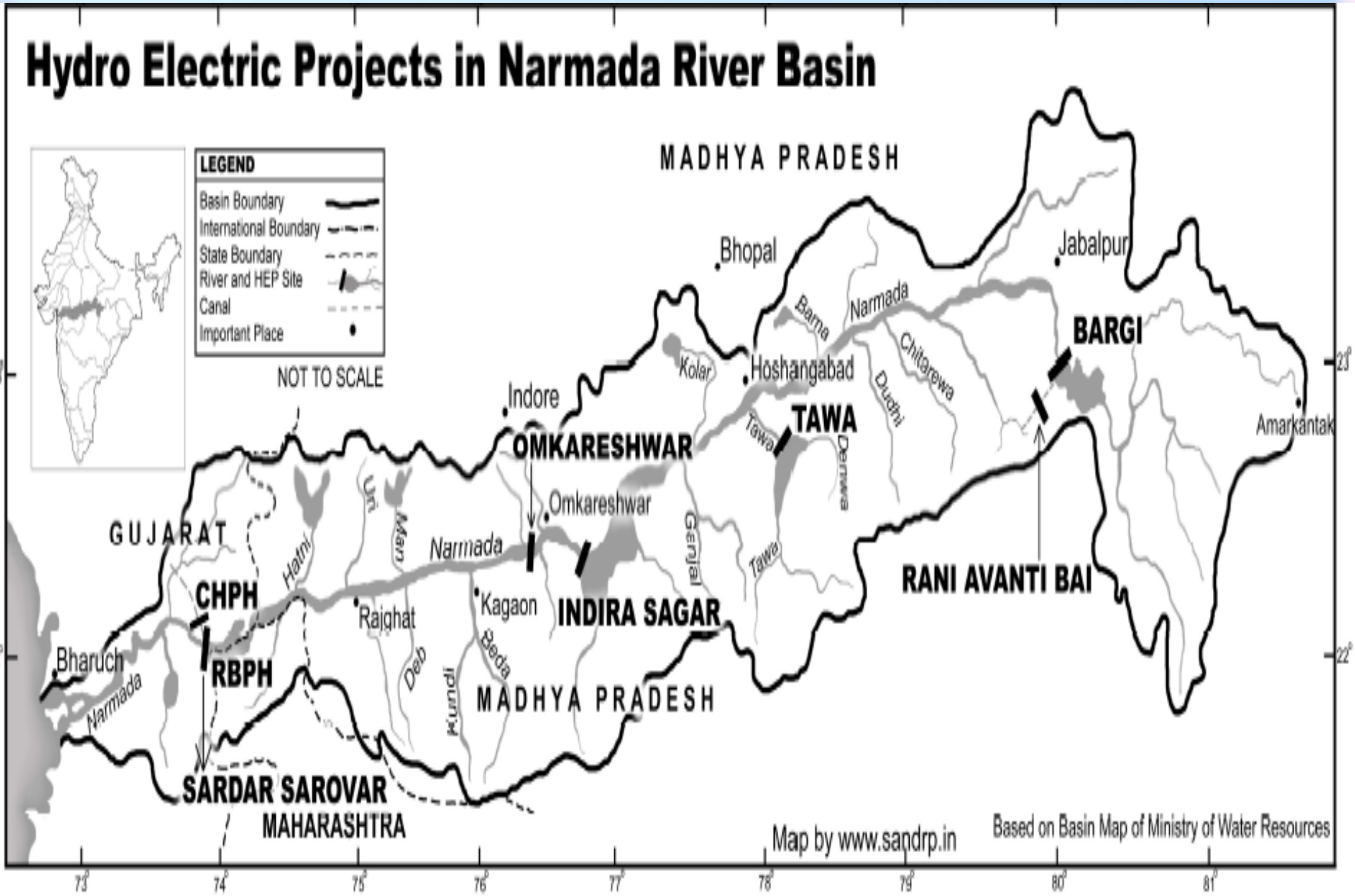

इंदिरा सागर परियोजना

सरदार सरोवर परियोजना

नर्मदा जल विवाद ट्रिब्यूनल अवार्ड के अनुसार नर्मदा जल का हिस्सा

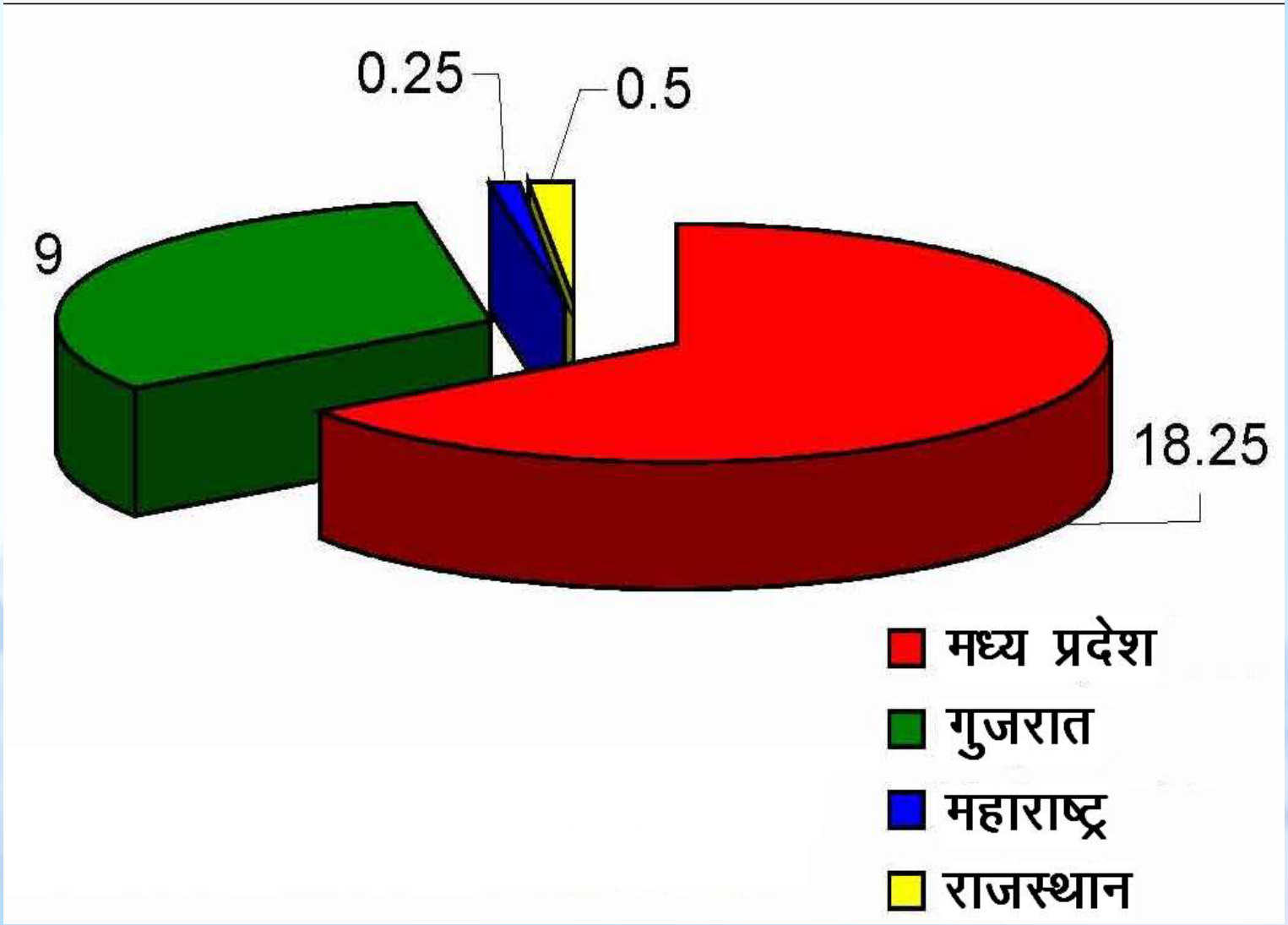

laj{k.k :

- जल संरक्षण एक संस्कार है
- जल और उसके स्त्रोतों की षुद्धता बनाए रखना और उनका संरक्षण करना हमारी जीवन षैली का अभिन्न अंग होना चाहिए
- पर्यावरण संरक्षण के रूप में नदी संरक्षण के लिए नर्मदा को प्रदूषण मुक्त करें
- म.प्र. की जीवन रेखा नर्मदा नदी को बचानें के लिए जन आन्दोलन खडा करना होगा

IBN Live

चौकाने वाला सच: :

- आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि नर्मदा में यदि इसी तरह नालों का पानी व गंदगी मिलती रही तो सन् 2050 तक इसका पानी आचमन करने लायक भी नहीं रह जाएगा।

- 16 जनवरी 2016 को नर्मदा के ललपुर घाट में पानी की जांच में :
  - नर्मदा के पानी में घुलनशील ऑक्सीजन की मात्रा आश्चर्यजनक ढंग से कम हो रही है, वहीं बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन की मांग - जैविक ऑक्सीजन की मांग) चार से छह गुना तक ज्यादा पाई गई है।

- नाइट्रेट की अधिकता के साथ टोटल कॉलीफार्म आर्गनिज्म (बैक्टीरिया) भी विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानक से कई गुना अधिक पाया गया है।

- रेत की अधाधुंध निकासी की वजह से इसमें जल को प्राकृतिक ढंग से शुद्ध करने की क्षमता निरंतर घट रही है

- नर्मदा नदी में गंदगी व गंदा पानी मिलने की वजह से जहां जल प्रदूषण का स्तर खतरे की सीमा की तरफ बढ़ रहा है

- अत्यधिक रेत निकासी की वजह से तिलवाराघाट से आगे नरसिंहपुर जिले के विक्रमपुर व सांकल घाट, होशंगाबाद घाट तक कई जगह नर्मदा नदी दलदल में तब्दील हो गई है

- पानी तैलीय और प्रदूषित हो गया है

- खेतों से पानी के साथ बहकर आ रहा जहरीले कीटनाशक भी नर्मदा जल के पोषक तत्वों का दम घोंट रहा है।

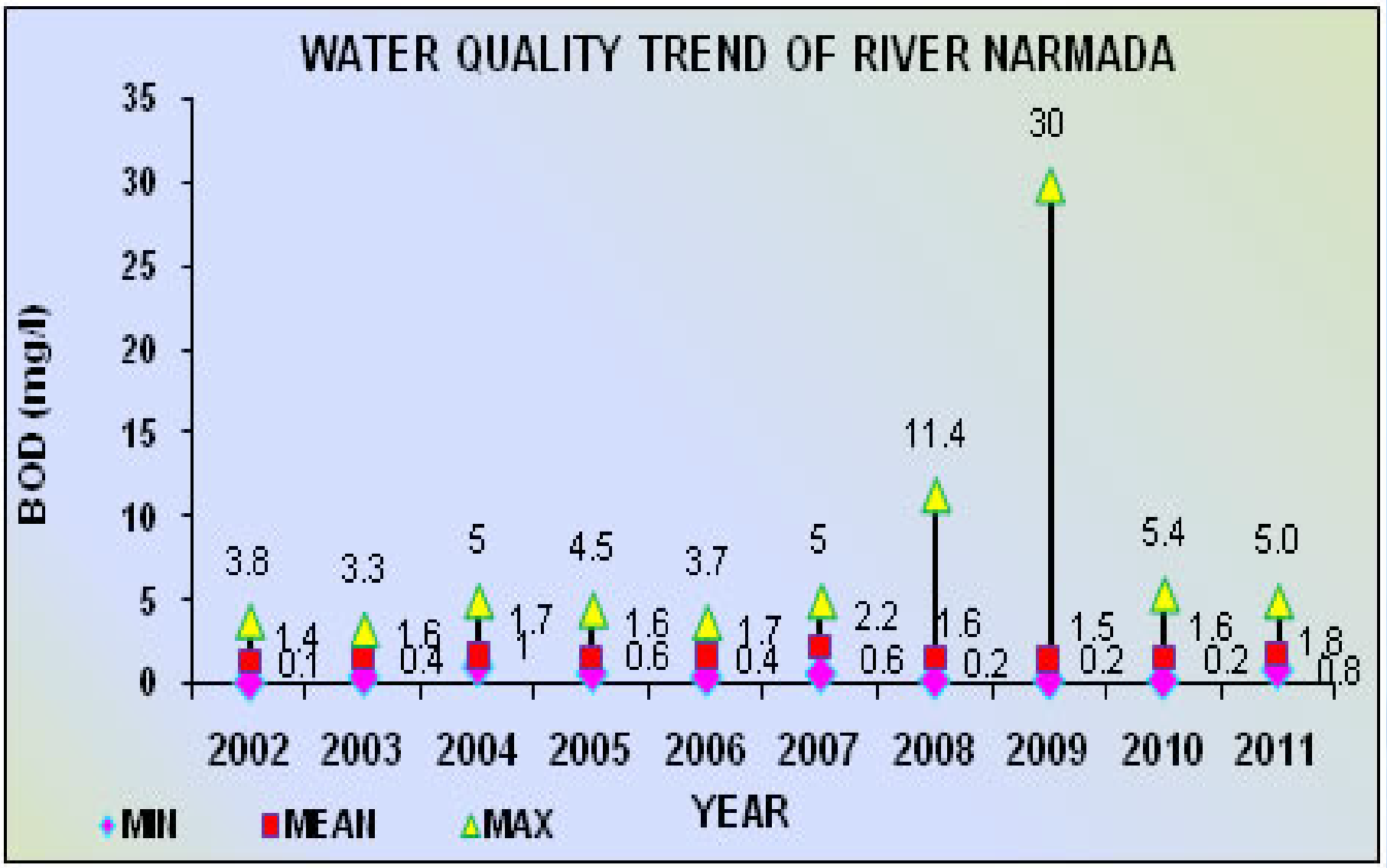
WATER QUALITY TREND OF RIVER NARMADA
BOD (mg/l)
35
30
25
20
15
10
5
0
3.8
1.4
0.1
3.3
1.6
0.4
5
1.7
1
4.5
1.6
0.6
3.7
1.7
0.4
5
2.2
0.6
11.4
1.6
0.2
30
1.5
0.2
5.4
1.6
0.2
5.0
1.8
0.8
2002
2003
2004
2005
2006
2007
2008
2009
2010
2011
YEAR
MIN
MEAN
MAX

पीढ़ियों को मिलेंगे घातक रोग :

- टोटल कॉलीफार्म आर्गनिज्म बैक्टीरिया बढ़ने से डायरिया, कालरा, हैपेटाइटिस, टायफायड, गैस्ट्रोलॉजी आदि रोग होते हैं
- यह बैक्टीरिया नालों व सीवरेज के पानी के मिश्रण से पनपता है।
- पानी में नाईट्रेट के बढ़ने से ब्लू बेबी रोग होता है। इससे नर्वस सिस्टम गड़बड़ा जाता है।
- कीटनाशकों व फर्टिलाइजर के पानी के मिश्रण से डिप्रेशन, लीवर, किडनी के रोग होते हैं। आंखों की रोशनी प्रभावित होती है।

- केरल की 'भारत पूजा' नदी लुप्त होने की कगार पर है।

- 2500 वर्ष पहले महात्मा बुद्ध ने कहा था की हमारी असीमित इच्छा शक्ति ही हमारे दुखों का कारण है।

- जब नदी, नीर और नारी का सम्मान होगा तभी नदियों का सम्मान होगा। पहले नदियाँ मैला साफ़ करने वाली थी, आज मैला धोने वाली माल गाड़ी बन गई है। नदियों को आज़ादी चाहिए।

- नर्मदा अन्य नदियों की तरह ग्लेशियर से तो नहीं निकलती यदि पहाड़ों, जंगल और पर्यावरण को न यही बचाया गया तो नर्मदा क्रिकेट का मैदान बन जाएगी।

- भविष्य की पीढ़ी को देखते हुए अभी से जल की चिंता करना जरूरी है। मिटटी को नुक्सा हो रहा है सबको यह सोचने की आवश्यकता है कि हम भविष्य के लिए कैसा पर्यावरण छोड़ना चाहते है।

धन्यवाद !!

भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT